LIDA Stories

lidastories.net

सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़ / The sound of birds in the morning

LIDA Portugal
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh (hi)

This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

https://creativecommons.org/licenses/by/4.0

सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़

The sound of birds in the morning

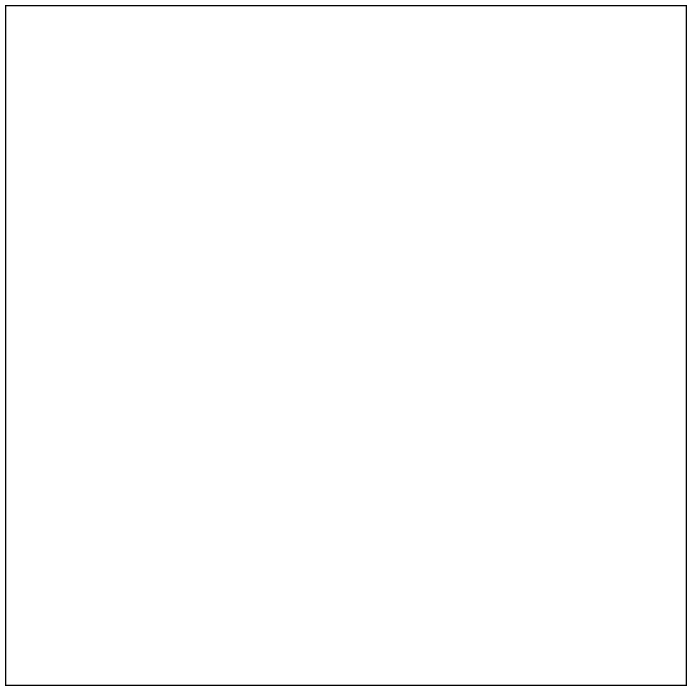

LIDA Portugal
Vilius Aistis Vilimas
Pratibha Singh

5

हिन्दी hi / English en

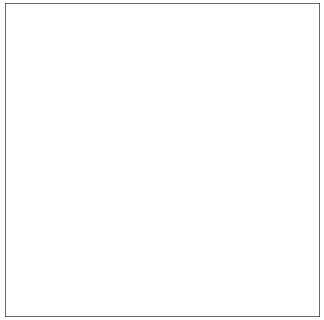

यूलिया, उसके पति और उनकी छोटी बेटी युक्रेन के एक छोटे से शांत गाँव में रहते थे। यूलिया को हर सुबह पक्षियों की आवाज़ से जागना बहुत पसंद था। उसने कभी नहीं सोचा था कि वह घर से बहुत दूर रहेगी या सुबह-सुबह उठाने के लिए उसे पक्षियों की आवाज़ें नहीं आएँगी।

. . .

Yulia, her husband, and their little daughter lived in a small, quiet village in Ukraine. Yulia loved being woken every morning by the sound of birds. She never thought she would live far away from home, or not be woken up by the sound of birds in the morning.

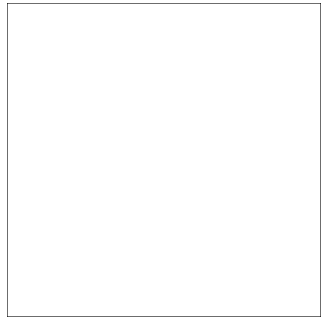

उसके पति को पर्याप्त पैसा ना होने की हमेशा शिकायत रहती थी और वह बहुत ज़्यादा शराब पीने लगा था। उन्होंने पुर्तगाल में अपनी किस्मत आज़माने का फ़ैसला किया। हो सकता है कि वहाँ वे एक घर और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए अधिक पैसा कमा सकें।

. . .

Her husband was always complaining about not having enough money and he began drinking heavily. They decided to try their luck in Portugal. Maybe there they could earn more money to build a house and make a better future for their family.

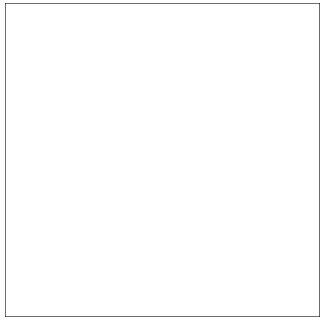

यूलिया अपने नए घर में बहुत अच्छे से ढल गई और उसने क्लीनर के रूप में काम करना शुरू कर दिया। उसके ग्राहकों ने वास्तव में उसकी कड़ी मेहनत और उसके विनम्र स्वभाव की सराहना की। दूसरी ओर, उसके पति ने महसूस किया कि वह सबसे और भी दूर हो गया है। उसके पीने की आदत की वजह से, मालिकों ने उस पर भरोसा करना और काम देना बंद कर दिया।

. . .

Yulia adapted well to her new home, and she started working as a cleaner. Her clients really appreciated her hard work and her polite attitude. Her husband, on the other hand, felt more and more left out. Because of his drinking problem, employers did not trust him and would not give him work.

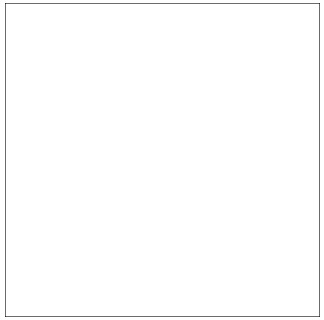

यूलिया एक महिला आश्रयस्थल में गई, जहाँ लंबे अर्से बाद उसने इतना सुरक्षित महसूस किया। उसने ऐसा कई समय से महसूस नहीं किया था। उसको आखिरी बार यह एहसास तब हुआ था जब उसकी नींद सुबह-सुबह पक्षियों की आवाज़ से खुला करती थी।

. . .

Yulia went to a women's shelter, where she felt safer than she had in a long time. She had not felt like that since she was woken up by the sound of birds in the morning.

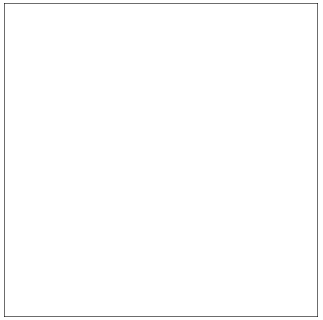

एक दिन उसने यूलिया पर चिल्लाना शुरू कर दिया। फिर, उसने उसे धक्का देना शुरू कर दिया। चूँकि वह नशे में था इसलिए चिल्लाना और मारपीट करने का सिलसिला बद से बदतर हो गया। यूलिया अपने और अपनी बेटी के लिए डरती थी, लेकिन उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि वह क्या कर सकती थी।

. . .

One day he started yelling at Yulia. Then, he started pushing her. The shouting and beatings got worse, especially when he was drunk. Yulia was afraid for herself and her daughter, but she had no idea what she could do.

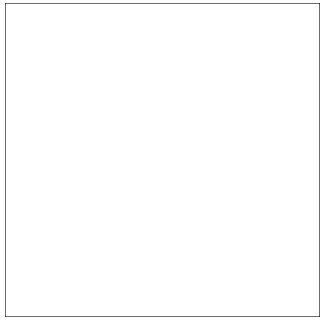

आखिरकार जब यूलिया को टूटी बाँह के साथ अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में जाना पड़ा, तो उन्होंने उसे बताया कि पुर्तगाल में घरेलू हिंसा एक बड़ी समस्या थी। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक अपराध था और उसे पुलिस को इसकी सूचना देनी चाहिए।

. . .

When Yulia finally had to go to the emergency room in the hospital with a broken arm, they told her that domestic violence was a huge problem in Portugal. They also said that it was a crime and she should report it to the police.

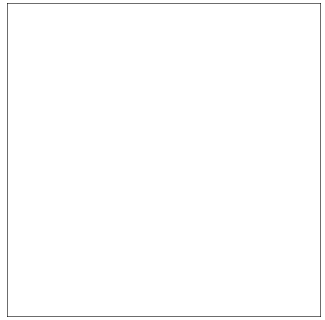

यूलिया थक गई थी और वह नहीं चाहती थी कि उसकी छोटी बेटी एक ऐसे घर में बड़ी हो जहाँ उसने हर दिन हिंसा देखी हो। यूलिया को एहसास हुआ कि दुर्व्यवहार के संकेत उसके साथ हमेशा मौजूद रहे, भले उसके रूप बदलते रहे हों।

. . .

Yulia was exhausted and did not want her little daughter to grow up in a home where she witnessed violence every day. Yulia realised that the signs of abuse had been there all along, even if it took many different forms.